0:11:20
16:7:21

अनुच्छेद

मेरा प्रिय मित्र

मेरा प्रिय मित्र का नाम है देवा । हम दोनों एक ही कक्षा 6 में पढ़ते है । वह बहुत होशियार व ~~ईमाहार~~ ईमानदार है । मेरा दोस्त हर समय मेरा मदद के लिए तैयार रहता है । हम दोनों विद्यालय में लंच एक साथ करते हैं तथा खेलते भी हैं । मेरा दोस्त बहुत ही बहादुर है व ईश्वर पर विश्वास करता है । मित्रता वह रिश्ता है जिसके सहारे हमें ~~कठि~~ कठिन से कठिन कार्य भी सरल लगने लगता है । मेरा दोस्त मेरे घर के पास ही रहता है हम शाम को एक-साथ उसके घर में जाकर पढ़ते हैं । हम दोनों मुसीबत के समय एक

दूसरे को मदद करते हैं। सभी हम दोनों ने
मित्रों को प्रशंसा करते हैं। हमारे माता-पिता
भी हम दोनों मित्रों को प्यार व सहयो
सहयोग करते हैं। मै मेरा दोस्त को बहुत
प्यार करता हूँ।